



# SSC MTS 2022-23



**GS/ GK**

**SESSION-II**

**MODERN HISTORY**

# 1857 का विद्रोह

**PREVIOUS YEAR QUESTIONS**



**LIVE | 03:00 PM**

**BY ASHUTOSH MAHENDRAS**



# SSC MTS 2022-23



H/w Q. Which among the following is not correctly paired?

निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही नहीं है?


- (a) Shivaji- Afzal Khan / शिवाजी - अफजल खां
- (b) Nurjahan-Mahabat Khan / नूरजहां - महाबत खां
- (c) Akbar Rana Pratap / अकबर - राणा प्रताप
- (d) Babar-Bairam Khan / बाबर - बैरम खां



- बीजापुर के सुल्तान ने 1659 ई. में अफजल खां नामक अनुभवी एवं विश्वस्त सेनानायक को शिवाजी की महत्वाकांक्षाओं पर अंकुश लगाने के लिए भेजा। शिवाजी ने अफजल खां का वध कर दिया। महाबत खां जहांगीर का एक प्रमुख सेनापति था, जिसने नूरजहां गुट के विरुद्ध विद्रोह किया था। हल्दीघाटी का युद्ध 1576 ई. में अकबर एवं राणा प्रताप के मध्य हुआ। बैरम खां हुमायूँ का सहयोगी तथा उसके नाबालिग पुत्र अकबर का वली अथवा संरक्षक था। अतः स्पष्ट है कि दिए गए विकल्पों में बाबर एवं बैरम खां का विकल्प (d) असत्य है, क्योंकि बैरम खां कभी बाबर के शासनकाल से संबद्ध नहीं रहे।




- The Sultan of Bijapur sent an experienced and trusted general named Afzal Khan in 1659 AD to curb Shivaji's ambitions. Shivaji killed Afzal Khan. Mahabat Khan was a major general of Jahangir. Who revolted against the Noorjahan group. The Battle of Haldighati took place in 1576 AD between Akbar and Rana Pratap. Bairam Khan was Humayun's ally and his minor son Akbar's wali or guardian. Hence it is clear that in the given options option (d) of Babur and Bairam Khan is wrong, because Bairam Khan was never associated with Babur's reign.

 **Manisha Ozat** 2 days ago  
Khub j 🙌 che sir video

   Reply


 **Manisha Ozat** 2 days ago  
2/d

   Reply

 **Surbhi Sinha** 2 days ago  
Homework question answer 🙌 option bbbbbbbbbb

   Reply

▼ 1 reply

 **Bipul vishwa** 2 days ago  
HW. Ans. Option. BBB


  Reply

▼  • 1 reply

 **Ravi Patel** 2 days ago  
B 🌿


 1  Reply

▼  • 1 reply


 **Suruchi Jha** 2 days ago  
Hw option B


 1   Reply

▼ 1 reply

 **SK6** 2 days ago  
B


 1  Reply

▼  • 1 reply


 **Mo ANAS ANAS** 2 days ago  
BBBBBBBBBBBBBBBBB KO LOCK KER DEJIYE

  Reply

▼  • 1 reply

 **Aarav Roy** 2 days ago  
B

  Reply

▼  • 1 reply



REVOLT OF 1857

1857 की क्रांति



## तात्कालिक कारण

Sepey mutiny

- 1857 के विद्रोह के तात्कालिक कारण सैनिक थे।
- एक अफवाह यह फैल गई कि नई 'एनफिल्ड' राइफलों के कारतूसों में गाय और सूअर की चर्बी का प्रयोग किया जाता है।
- सिपाहियों को इन राइफलों को लोड करने से पहले कारतूस को मुँह से खोलना पड़ता था।
- हिंदू और मुस्लिम दोनों सिपाहियों ने उनका इस्तेमाल करने से इनकार कर दिया।
- लॉर्ड कैनिंग ने इस गलती के लिये संशोधन करने का प्रयास किया और विवादित कारतूस वापस ले लिया गया लेकिन इसकी वजह से कई जगहों पर अशांति फैल चुकी थी।
- मार्च 1857 को नए राइफल के प्रयोग के विरुद्ध मंगल पांडे ने आवाज़ उठाई और अपने वरिष्ठ अधिकारियों पर हमला कर दिया था।
- 8 अप्रैल, 1857 ई. को मंगल पांडे को फाँसी की सज़ा दे दी गई।
- 9 मई, 1857 को मेरठ में 85 भारतीय सैनिकों ने नए राइफल का प्रयोग करने से इनकार कर दिया तथा विरोध करने वाले सैनिकों को दस-दस वर्ष की सज़ा दी गई।



## Immediate Cause

- The Revolt of 1857 eventually broke out over the **incident of greased cartridges.**
  - A rumour spread that the cartridges of the new enfield rifles were greased with the fat of cows and pigs.
  - Before loading these rifles the sepoys had to bite off the paper on the cartridges.
  - Both Hindu and Muslim sepoys refused to use them.
- Lord Canning tried to make amends for the error and the offending cartridges were withdrawn but the damage had already been done. There was unrest in several places.
- In March 1857, **Mangal Pandey**, a sepoy in **Barrackpore**, had refused to use the cartridge and attacked his senior officers.
  - He was hanged to death on 8<sup>th</sup> April.
  - On 9<sup>th</sup> May, 85 soldiers in Meerut refused to use the new rifle and were sentenced to ten years' imprisonment.





## विद्रोह के केंद्र

- विद्रोह पटना से लेकर राजस्थान की सीमाओं तक फैला हुआ था। विद्रोह के मुख्य केंद्रों में कानपुर, लखनऊ, बरेली, झाँसी, ग्वालियर और बिहार के आरा जिले शामिल थे।
  - लखनऊ: यह अवध की राजधानी थी। अवध के पूर्व राजा की बेगमों में से एक बेगम हजरत महल ने विद्रोह का नेतृत्व किया।
  - कानपुर: विद्रोह का नेतृत्व पेशवा बाजी राव द्वितीय के दत्तक पुत्र नाना साहब ने किया था।
  - झाँसी: 22 वर्षीय रानी लक्ष्मीबाई ने विद्रोहियों का नेतृत्व किया। क्योंकि उनके पति की मृत्यु के बाद अंग्रेजों ने उनके दत्तक पुत्र को झाँसी के सिंहासन पर बैठाने से इनकार कर दिया।
  - ग्वालियर: झाँसी की रानी लक्ष्मी बाई ने विद्रोहियों का नेतृत्व किया और नाना साहेब के सेनापति तात्या टोपे के साथ मिलकर उन्होंने ग्वालियर तक मार्च किया और उस पर कब्जा कर लिया।
    - वह ब्रिटिश सेनाओं के खिलाफ मजबूती से लड़ी, लेकिन अंततः अंग्रेजों से हार गई।
    - ग्वालियर पर अंग्रेजों ने कब्जा कर लिया था।
  - बिहार: विद्रोह का नेतृत्व कुंवर सिंह ने किया, जो जगदीशपुर, बिहार के एक शाही घराने से थे।



## Centres of The Revolt

- The revolt spread over the entire area from the neighbourhood of Patna to the borders of Rajasthan. The main centres of revolt in these regions namely Kanpur, Lucknow, Bareilly, Jhansi, Gwalior and Arrah in Bihar.
  - **Lucknow:** it was the capital of Awadh. **Begum Hazrat Mahal**, one of the begums of the ex-king of Awadh, took up the leadership of the revolt.
  - **Kanpur:** the revolt was led by **Nana Saheb**, the adopted son of Peshwa Baji Rao II.
  - **Jhansi:** the twenty-two-year-old **Rani Lakshmi Bai** led the rebels when the British refused to accept the claim of her adopted son to the throne of Jhansi.



# SSC MTS 2022-23



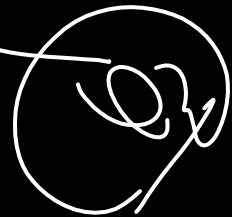
- **Gwalior:** After Rani Lakshmi Bai escaped, she was joined by Tantia Tope and together they marched to Gwalior and captured it.
  - Fierce fighting followed where the Rani of Jhansi fought like a tigress but died, fighting to the very end.
  - Gwalior was recaptured by the British.
- Bihar: the revolt was led by **Kunwar Singh** who belonged to a royal house of Jagdispur, Bihar.



## दमन और विद्रोह

### Suppression and The Revolt

- 1857 का विद्रोह एक वर्ष से अधिक समय तक चला। 1858 के मध्य तक इसे दबा दिया गया था।
- मेरठ में प्रकोप के चौदह महीने बाद 8 जुलाई, 1858 को अंततः लॉर्ड कैनिंग द्वारा शांति की घोषणा की गई।
- The Revolt of 1857 lasted for more than a year. It was suppressed by the middle of 1858.
- On July 8, 1858, fourteen months after the outbreak at Meerut, peace was finally proclaimed by Lord Canning.





# SSC MTS 2022-23



विद्रोह के स्थान	भारतीय नेता	ब्रिटिश अधिकारी जिन्होंने विद्रोह को दबा दिया
दिल्ली	बहादुर शाह द्वितीय	जॉन निकोलसन
लखनऊ	बेगम हजरत महल	हेनरी लारेंस
कानपुर	नाना साहेब	सर कोलिन कैम्पबेल
झाँसी और ग्वालियर	लक्ष्मी बाई और तात्या टोपे	जनरल ह्यूग रोज
बरेली	खान बहादुर खान	सर कोलिन कैम्पबेल
इलाहाबाद और बनारस	मौलवी लियाकत अली	कर्नल ऑनसेल
बिहार	कुँवर सिंह	विलियम टेलर



# SSC MTS 2022-23



Places of Revolt	Indian Leaders	British Officials who suppressed the revolt
Delhi	Bahadur Shah II	John Nicholson
Lucknow	Begum Hazrat Mahal	Henry Lawrence
Kanpur	Nana Saheb	Sir Colin Campbell
Jhansi & Gwalior	Lakshmi Bai & Tantia Tope	General Hugh Rose
Bareilly	Khan Bahadur Khan	Sir Colin Campbell
Allahabad and Banaras	Maulvi Liyakat Ali	Colonel Ocell
Bihar	Kunwar Singh	William Taylor



# SSC MTS 2022-23



Q.1 The Indian Mutiny began from Meerut on 10 May 1857 and ended in:

भारतीय विद्रोह की शुरुआत 10 मई, 1857 को मेरठ में हुई और यह \_\_\_\_\_ में समाप्त हुई।

S.S.C. ऑनलाइन CGL (T-I) 23 अगस्त, 2021 (III- पाली)

(a) Delhi on 18 September 1859/18 सितंबर, 1859 को दिल्ली

(b) Gwalior on 20 June 1858 / 20 जून, 1858 को ग्वालियर

(c) Kolkata on 13 May 1858 / 13 मई, 1858 को कोलकाता

(d) Jhansi on 15 August 1860 / 15 अगस्त, 1860 को झांसी



Like

Share

Subscribe

भारतीय विद्रोह की शुरुआत 10 मई, 1857 को मेरठ में हुई और इसकी समाप्ति 20 जून, 1858 को ग्वालियर में हुई। अंग्रेज जनरल ह्यूरोज से लड़ते हुए झांसी की रानी लक्ष्मीबाई जून, 1858 में वीरगति को प्राप्त हुई।

The Indian Rebellion began on 10 May 1857 in Meerut and ended on 20 June 1858 in Gwalior. Rani Lakshmi Bai of Jhansi attained Veergati in June, 1858 while fighting with the British General Heroes.





# SSC MTS 2022-23



Q.2 The Sepoy Mutiny in India started from\_\_\_\_\_.

भारत में सिपाही विद्रोह की शुरुआत कहां से हुई थी ?

S.S.C. ऑनलाइन स्नातक स्तरीय (T-1 ) 11 जून, 2019 (I- पाली)

(a) Rajkot/ राजकोट

(b) Champaran / चंपारण

(c) Bareilly / बरेली

(d) Meerut / मेरठ



# SSC MTS 2022-23



Q.3 Mutiny of 1857 was described as the First Indian War of Independence by-

✓ 1857 के विद्रोह को भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की संज्ञा किसने प्रदान की?

S.S.C. ऑनलाइन स्नातक स्तरीय (T-I) 9 सितंबर, 2016 (III- पाली) <sup>(Q.3)</sup>

✓ (a) Bal Gangadhar Tilak / बाल गंगाधर तिलक

✓ (b) Subhash Chandra Bose / सुभाष चंद्र बोस

✓ (c) Bhagat Singh / भगत सिंह

✓ (d) V. D. Savarkar / वी.डी. सावरकर



- वी.डी.सावरकर ने अपनी पुस्तक 'The Indian war of Independence 1857' में 1857 के विद्रोह को सुनियोजित स्वतंत्रता संग्राम की संज्ञा दी। उन्होंने इसे भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की संज्ञा प्रदान की।
- V.D. Savarkar in his book 'The Indian war of Independence 1857' termed the rebellion of 1857 as a planned war of independence. He gave it the noun of India's first freedom struggle.



# SSC MTS 2022-23



Q.4 Who spearheaded the Revolt of 1857 rebellion in Bihar?

1857 की क्रांति के दौरान, बिहार में विद्रोह का नेतृत्व किसने किया था?

S.S.C. ऑनलाइन (MTS (T-I) 26 अक्टूबर, 2021) (II- पाली)

(a) Kunwar Singh / कुंवर सिंह ✓

(b) Bakht Khan / बख्त खान ✓

(c) Tatya Tope / तात्या टोपे ✓

(d) Nana Sahib / नाना साहिब ✓



- 1857 की क्रांति के दौरान बिहार में विद्रोह का नेतृत्व कुंवर सिंह ने किया था। उन्होंने अपने गृहनगर जगदीशपुर के निकट अंग्रेजों को बुरी तरह से पराजित किया। इसी युद्ध के दौरान कुंवर सिंह बुरी तरह घायल हो गए और 26 अप्रैल, 1858 को उनकी मृत्यु हो गई।
- During the Revolt of 1857, the rebellion in Bihar was led by Kunwar Singh. He badly defeated the British near his hometown Jagdishpur. During this battle, Kunwar Singh was badly injured and died on April 26, 1858.



# SSC MTS 2022-23



Q.5 Veer Kunwar Singh Jayanti is celebrated in in order to recognise the achievements of Kunwar Singh during the Indian rebellion of 1857.

किस राज्य में वीर कुंवर सिंह की 1857 के विद्रोह के दौरान की उपलब्धियों को चिह्नित करने के लिए जयंती मनाई जाती है ?

S.S.C. ऑनलाइन स्नातक स्तरीय (T-1) 4 जून, 2019 (III - पाली)

3:00pm  
MTS  
M  
W  
F

6:30pm  
MSL

Daily

- (a) Uttarakhand/उत्तराखंड ✓
- (b) Bihar / बिहार ✓
- (c) Himachal Pradesh / हिमाचल प्रदेश ✓
- (d) Uttar Pradesh / उत्तर प्रदेश ✓



- बिहार में वीर कुंवर सिंह की 1857 के विद्रोह के दौरान की उपलब्धियों को चिह्नित करने के लिए जयंती मनाई जाती है।
- The birth anniversary is celebrated in Bihar to mark the achievements of Veer Kunwar Singh during the Revolt of 1857.



# SSC MTS 2022-23



Q.6 The Indian Mutiny of 1857 effectively ended in the city of \_\_\_\_\_.

✓ 1857 की भारतीय क्रांति प्रभावी रूप से \_\_\_\_\_ शहर में समाप्त हुई है। ✓

S.S.C. ऑनलाइन CHSL (T-I) 12 अगस्त, 2021 (I-पाली)

(a) Amritsar / अमृतसर ✓

✓  
(b) Gwalior / ग्वालियर

← (c) Vadodara / वड़ोदरा ✓

(d) Lucknow / लखनऊ ✓





# SSC MTS 2022-23



- 1857 की भारतीय क्रांति प्रभावी रूप से ग्वालियर शहर में समाप्त हुई। रानी लक्ष्मीबाई ने ग्वालियर में तात्या टोपे के साथ अंग्रेजों को कई युद्धों में पराजित करने के बाद अंततः अंग्रेज जनरल ह्यूरोज से लड़ते हुए जून, 1858 में वीरगति को प्राप्त हो गईं। इसी के बाद 1857 की भारतीय क्रांति का प्रभावी रूप से धीरे-धीरे समापन होने लगा।
- The Indian Revolution of 1857 effectively ended in the city of Gwalior. After defeating the British in several battles with Tatya Tope in Gwalior, Rani Lakshmbai finally attained Veergati in June, 1858 while fighting the British General Huroj. After this, the Indian Revolution of 1857 effectively gradually came to an end.



Q.7 \_\_\_\_\_ was the Mughal emperor during the revolt of 1857.

✓ \_\_\_\_\_, 1857 विद्रोह के दौरान मुगल सम्राट था।

S.S.C. ऑनलाइन CHSL (T-I) 12 अप्रैल, 2021 (III-पाली)

- बहादुर शाह II ( बहादुर शाह जफर) 1857 के विद्रोह के दौरान मुगल सम्राट था।

- Bahadur Shah II (Bahadur Shah Zafar) was the Mughal emperor during the Revolt of 1857.

(a) Akbar II / अकबर II

(b) Bahadur Shah II / बहादुर शाह II

(c) Bahadur Shah I / बहादुर शाह I

(d) Shah Alam II / शाह आलम II



Q.8 In which of the following regions did Baba Ram-chandra mainly lead the peasant struggle during colonial rule ?

बाबा रामचंद्र ने औपनिवेशिक शासन के दौरान मुख्य रूप से निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में किसान संघर्ष का नेतृत्व किया था ?

S.S.C. ऑनलाइन MTS (T-I) 14 अक्टूबर 2021 (III- पाली)

Utkal / Orissa

(a) Jodhpur/जोधपुर ✓

(b) Awadh / अवध ✓

(c) Hyderabad / हैदराबाद ✓

(d) Mysore / मैसूर ✓



- बाबा रामचंद्र ने औपनिवेशिक शासन के दौरान मुख्य रूप से अवध क्षेत्र में किसान संघर्ष का नेतृत्व किया था। वर्ष 1920 में बाबा रामचंद्र के प्रयास से अवध किसान सभा का गठन किया गया। इसने किसानों से बेदखली, भूमि न जोतने तथा बेगार न करने की अपील की।
- Baba Ramchandra led the peasant struggle mainly in the Awadh region during the colonial rule. Awadh Kisan Sabha was formed in the year 1920 with the efforts of Baba Ramchandra. It appealed to the peasants not to eviction, not to till the land and not to do begar.



Q.9 Who among the following was a leader who led a revolt against the British rule from North East India?

निम्न में से किस नेता ने उत्तर-पूर्व भारत से ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया था?

S.S.C. ऑनलाइन CHSL (T-I) 13 अप्रैल, 2021 (II- पाली)

- (a) Matangini Hazra/ मातंगिनी हाजरा
- (b) Rani Gaidinliu/ रानी गाइदिन्ल्यू
- (c) Durgawati Devi / दुर्गावती देवी
- (d) Pritilata Waddedar/ प्रीतिलता वादेदार



- सविनय अवज्ञा के दौरान मणिपुर की जनजातियों ने भी सक्रिय भागीदारी दिखाई। यहां पर आंदोलन का नेतृत्व नगा जनजाति की महिला गाइदिन्ल्यू ने किया। इसे 'जिया तरंग आंदोलन' जाता है।
- The tribes of Manipur also showed active participation during civil disobedience. Here the movement was led by Gaidinliu, a woman from the Naga tribe. This is known as 'Jiya Tarang Movement'.



Q.10 The Revolt of 1857 in Awadh and Lucknow was led by\_\_\_\_\_.

अवध और लखनऊ में 1857 के विद्रोह का नेतृत्व \_\_\_\_\_ ने किया था।

(a) Wajid Ali Shah ✓

(b) Begum Hazrat Mahal ✓

(c) Asaf-ud-daula ✓

(d) Begum Zeenat Mahal ✓



- भारतीय विद्रोह के दौरान, 1857 से 1858 तक, राजा जैलाल सिंह के नेतृत्व में बेगम हजरत महल के समर्थकों ने अंग्रेजों की ताकतों के खिलाफ विद्रोह किया; बाद में, उन्होंने लखनऊ पर नियंत्रण कर लिया और उन्होंने अपने बेटे, बिरजिस कादरा को अवध के शासक (वली) के रूप में घोषित किया।
- During the Indian Rebellion, from 1857 to 1858, Begum Hazrat Mahal's supporters led by Raja Jailal Singh rebelled against British forces; Later, he took control of Lucknow and declared his son, Birjis Kadra, as the ruler (wali) of Awadh.



- **Other Places of Revolt of 1857 and Leaders**

<b>Places of Revolt of 1857</b>	<b>Leader</b>
Lucknow	Begum Hazrat Mahal ✓
Delhi	Bahadur Shah Jafar, Bakht Khan ✓
Jhansi	Rani Lakshmi Bai ✓
Gwalior	Tatya Tope ✓
Allahabad	Liyakat Ali ✓
Jagdishpur	Kuwar Singh ✓
Bareilly	Khan Bahadur ✓



Q.11 The Revolt of 1857 was started by\_\_\_\_\_.

✓ 1857 का विद्रोह किसके द्वारा शुरू किया गया था?

S.S.C. ऑनलाइन CHSL (T-I) 13 अप्रैल, 2021 (II- पाली)

- (a) The sepoys/सिपाही ✓
- (b) The zamindars/जमींदार ✓
- (c) The peasants/दी पीसेंट्स ✓
- (d) The plantations workers/वृक्षारोपण कार्यकर्ता ✓



- भारतीय विद्रोह, जिसे सिपाही विद्रोह भी कहा जाता है, 1857-58 में भारत में ब्रिटिश शासन के खिलाफ व्यापक लेकिन असफल विद्रोह था। ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की सेवा में भारतीय सैनिकों (सिपाहियों) द्वारा मेरठ में शुरू किया गया, यह दिल्ली, आगरा, कानपुर और लखनऊ तक फैल गया।
- Indian Mutiny, also called Sepoy Mutiny, widespread but unsuccessful rebellion against British rule in India in 1857–58. Begun in Meerut by Indian troops (sepoys) in the service of the British East India Company, it spread to Delhi, Agra, Kanpur, and Lucknow.



# SSC MTS 2022-23



Q.12 Who was the author of the Book, the Indian War of Independence, 1857?

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम, 1857 नामक पुस्तक के लेखक कौन थे?

Like  
Share  
Subscribe

(a) Sir Syed Ahmad Khan ✓

(b) V. D. Savarkar ✓

(c) R. S. Sharma

(d) R. C. Majumdar ✓



- भारतीय स्वतंत्रता संग्राम विनायक दामोदर सावरकर द्वारा 1857 के विद्रोह का एक भारतीय राष्ट्रवादी इतिहास है जो पहली बार 1909 में प्रकाशित हुआ था।
- The Indian War of Independence is an Indian nationalist history of the 1857 revolt by Vinayak Damodar Savarkar that was first published in 1909.



# SSC MTS 2022-23



Q.13 Which among the following place, was not an important centre of the Revolt of 1857 ?

निम्नलिखित में से कौन-सा स्थान 1857 के विद्रोह का महत्वपूर्ण केंद्र नहीं था?

(a) Agra

(b) Kanpur ✓

(c) Jhansi ✓

(d) Lucknow ✓



- 1857 के विद्रोह का केंद्र आगरा नहीं था। इस विद्रोह के अन्य महत्वपूर्ण शहर कानपुर, झांसी, लखनऊ, ग्वालियर थे।
- Agra was not the centre of the revolt on 1857. Other important cities of this revolt were Kanpur, Jhansi, Lucknow, Gwalior.



# SSC MTS 2022-23



Q.14 The revolt of 1857 had its beginning in\_\_\_\_\_.

✓ 1857 के विद्रोह की शुरुआत \_\_\_\_\_ में हुई थी।

S.S.C. ऑनलाइन CHSL (T-I) 13 अप्रैल, 2021 (II- पाली)

✓ (a) Meerut ✓

(b) Plassey ✓

(c) Madras ✓

(d) Bombay ✓





- 1857 के भारतीय विद्रोह को भारतीय विद्रोह, सिपाही विद्रोह, उत्तर भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम या उत्तर भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम भी कहा जाता है। यह 10 मई 1857 को मेरठ में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना के सिपाहियों के विद्रोह के रूप में शुरू हुआ था।
- The Indian Rebellion of 1857 is also called the Indian Mutiny, the Sepoy Mutiny, North India's First War of Independence or North India's first struggle for independence. It began on 10 May 1857 at Meerut, as a mutiny of sepoys of the British East India Company's army.



Q.15 An effect of the 1857 revolt was that \_\_\_\_\_.

1857 के विद्रोह का एक प्रभाव यह था कि \_\_\_\_\_।

S.S.C. ऑनलाइन CHSL (T-I) 13 अप्रैल, 2021 (II- पाली)

- (a) The spirit of rebellion in Indian was crushed/भारतीयों में विद्रोह की भावना को कुचल दिया गया
- (b) The British became totally demoralized/अंग्रेज पूरी तरह से निस्तेज हो गए
- (c) The British abandoned their repressive policies/अंग्रेजों ने अपनी दमनकारी नीतियों को त्याग दिया
- (d) Unity was forged between the Hindus and Muslims/हिंदुओं और मुसलमानों के बीच एकता स्थापित की गई



# SSC MTS 2022-23



- 1857 के विद्रोह का सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव यह है कि भारत का प्रशासन ईस्ट इंडिया कंपनी से ब्रिटिश क्राउन को स्थानांतरित कर दिया गया था। 1858 की रानी की उद्घोषणा ने घोषणा की कि क्षेत्रीय विस्तार की नीति को छोड़ दिया जाना था। हिंदुओं और मुसलमानों के बीच एकता स्थापित की गई।
- The most important impact of revolt of 1857 is that the administration of India was transferred from the East India Company to the British Crown. The queen's proclamation of 1858 announced that the policy of territorial extension was to be abandoned. Unity was forged between the Hindus and Muslims.



Q.16 The Revolt of 1857 failed mainly because of \_\_\_\_\_.

1857 का विद्रोह मुख्य रूप से विफल रहा क्योंकि \_\_\_\_\_।

S.S.C. ऑनलाइन CHSL (T-I) 13 अप्रैल, 2021 (II- पाली)

- (a) Superior resources of the British empire/ब्रिटिश साम्राज्य के श्रेष्ठ संसाधन
- (b) it was poorly organised and the rebels had no common ideal/यह खराब तरीके से संगठित था और विद्रोहियों का कोई सामान्य आदर्श नहीं था
- (c) it had very little nationalist sentiment/इसमें बहुत कम राष्ट्रवादी भावना थी
- (d) it was localised, restricted and scattered/यह स्थानीयकृत, प्रतिबंधित और बिखरा हुआ था



- 1857 का विद्रोह स्थानीय और खराब तरीके से संगठित था। संचार सुविधाओं की कमी के कारण दूर-दूर तक फैली हुई छावनियों के सिपाही एक साथ मिलकर काम नहीं कर सकते थे।
- The Revolt of 1857 was localized and poorly organized. Due to lack of communication facilities, the sepoys of the widely dispersed cantonments could not act simultaneously in a concerted manner.



# SSC MTS 2022-23



Q.17 Which of the following pair leader associated with the Revolt of 1857 is not correctly matched?

1857 के विद्रोह से संबंधित निम्नलिखित जोड़ी नेताओं में से कौन सा सुमेलित नहीं है?

S.S.C. ऑनलाइन CHSL (T-I) 13 अप्रैल, 2021 (II- पाली)

Chiker/Sharp

- (a) Hazrat Mahal : Kanpur *Unkman*
- (b) Khan Bahadur Khan : Bareilly
- (c) Kunwar Singh : Bihar
- (d) Bakht Khan : Delhi



# SSC MTS 2022-23



- बेगम हज़रत महल, जिन्हें अवध की बेगम भी कहा जाता है, नवाब वाजिद अली शाह की दूसरी पत्नी थीं। वाजिद अली शाह ने उनसे अपने महल में मुलाकात की। उन्होंने 1857 के भारतीय विद्रोह के दौरान ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ विद्रोह किया। अंत में उन्हें नेपाल में शरण मिली, जहां 1879 में उनकी मृत्यु हो गई।
- Begum Hazrat Mahal, also called as Begum of Awadh, was the second wife of Nawab Wajid Ali Shah. Wajid Ali Shah met her in his palace. She rebelled against the British East India Company during the Indian Rebellion of 1857. She finally found asylum in Nepal where she died in 1879.



Q.18 The administrative consequence of the Revolt of 1857 was transferred to power from \_\_\_\_\_.

✓ 1857 के विद्रोह का प्रशासनिक परिणाम \_\_\_\_\_ से सत्ता में स्थानांतरित किया गया था।

S.S.C. ऑनलाइन CHSL (T-I) 13 अप्रैल, 2021 (II- पाली)

- (a) East India Company to the British Crown
- (b) British Crown to the East India Company
- (c) East India Company to the Governor General
- (d) British Crown to the Board of Directors





# SSC MTS 2022-23



- 2 अगस्त, 1858 को, कैनिंग द्वारा ब्रिटिश सेना की जीत की घोषणा करने के एक महीने से भी कम समय के बाद, संसद ने भारत सरकार अधिनियम पारित किया, भारत पर ब्रिटिश सत्ता को ईस्ट इंडिया कंपनी से ताज को स्थानांतरित कर दिया ।
- On August 2, 1858, less than a month after Canning proclaimed the victory of British army, Parliament passed the Government of India Act, transferring British power over India from the East India Company to the crown.



Q.19 After the initial success of the Revolt of 1857, the objective for which the leaders of the revolt worked was \_\_\_\_\_.

✓ 1857 के विद्रोह की प्रारंभिक सफलता के बाद, जिस उद्देश्य के लिए विद्रोह के नेताओं ने काम किया वह था \_\_\_\_\_ ।

S.S.C. ऑनलाइन (CHSL (T-I) 13 अप्रैल, 2021) (II- पाली)

- (a) to restore the former glory to the Mughal empire/मुगल साम्राज्य को पूर्व गौरव बहाल करने के लिए ✓
- (b) to form a Federation of Indian States under the aegis of Bhādur Shah II/ बहादुर शाह द्वितीय के तत्वावधान में भारतीय राज्यों का एक संघ बनाने के लिए
- (c) elimination of foreign rule and return of the old order/विदेशी शासन का उन्मूलन और पुरानी व्यवस्था की वापसी ✓
- (d) each leader wanted to establish his own power in his respective region/प्रत्येक नेता अपने-अपने क्षेत्र में अपनी सत्ता स्थापित करना चाहता था ✓



- 1857 के विद्रोह की प्रारंभिक सफलता के बाद, जिस उद्देश्य के लिए विद्रोह के नेताओं ने काम किया, वह था विदेशी शासन का उन्मूलन और पुरानी व्यवस्था की वापसी।
- After the initial success of the Revolt of 1857, the objective for which the leaders of the revolt worked was elimination of foreign rule and return of the old order.



# SSC MTS 2022-23



Q.20 Nanasaheb, one of the principal leaders of the Revolt of 1857, was the adopted heir and successor of\_\_\_\_\_.

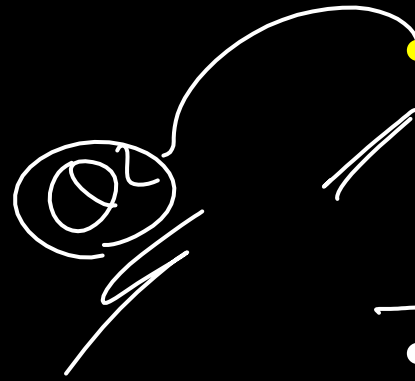
✓ नानासाहेब, 1857 के विद्रोह के प्रमुख नेताओं में से एक, \_\_\_\_\_ के दत्तक पुत्र और उत्तराधिकारी थे।

(a) Peshwa Baji Rao II

(b) King of Jhansi

(c) Madhav Rao Sindhia

(d) Malhar Rao Holkar



- गोविंद धोंडू पंत, लोकप्रिय रूप से नानासाहेब के रूप में जाने जाते थे, और 1857 के विद्रोह के प्रमुख नेताओं में से एक, पेशवा बाजी राव द्वितीय के दत्तक पुत्र और उत्तराधिकारी थे।
- Govind Dhondu Pant, popularly known was Nanasaheb, and one of the principal leaders of the Revolt of 1857, was the adopted heir and successor of Peshwa Baji Rao II.



# SSC MTS 2022-23



Q.21 The English defeated the \_\_\_\_\_ in the Battle of Wandiwash.

वांडीवाश के युद्ध में इंग्लिश सेना ने \_\_\_\_\_ को हराया था।

S.S.C. ऑनलाइन CHSL (T-I) 11 जनवरी, 2017 (II- पाली)



(a) German / जर्मन

(b) French / फ्रांसीसी

(c) Indians / भारतीय

(d) Americans / अमेरिकन



- वांडीवाश का युद्ध (जनवरी, 1760 ) अंग्रेजों तथा फ्रांसीसियों के मध्य हुआ। युद्ध में फ्रांसीसी पराजित हुए। अंग्रेजी सेना के नेतृत्वकर्ता सर आयरकूट थे, जबकि फ्रांसीसी सेना का नेतृत्व काउंट डी लाली ने किया था।
- The Battle of Wandiwash (January, 1760) took place between the British and the French. The French were defeated in the battle. The English army was led by Sir Eyrecote, while the French army was led by the Count de Lally.